8. 'विक्रमांकदेवचरितम्' एक ऐतिहासिक महाकाव्य है। सिद्ध कीजिए।

9. शिशुपालवधम् के द्वितीय सर्ग में वर्णित श्रीकृष्ण-बलराम-उद्धव की मन्त्रणा का सार प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. बाणभट्ट रचित 'कादम्बरी' के अनुसार महाराज शूद्रक के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

11. महाकवि माघ रचित शिशुपालवधम् महाकाव्य के द्वितीय सर्ग का समीक्षात्मक सार अपने शब्दों में विवेचित कीजिए।

12. 'विक्रमांकदेवचरितम्' प्रथम सर्ग के आधार पर चालुक्यवंशीय राजाओं के प्रताप का वर्णन कीजिए।

13. आचार्यपुष्पदत्त प्रणीत 'शिवमहिम्नः स्तोत' के आधार पर शिव के माहात्म्य पर प्रकाश डालिए।

MASA–05

December – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

SANSKRIT

(गद्य तथा काव्य)

Paper : MASA-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'कुमारसम्भवम्' के रचयिता का नाम बताइए।

   (ii) 'शिवमहिम्नस्तोत' के रचयिता का नाम लिखिए।

   (iii) 'शिशुपालवधम्' के रचयिता का नाम लिखिए।

(iv) 'शिशुपालवधम्' का प्रमुख रस कौनसा है ?

(v) 'कादम्बरी' में कितने जन्मों की कथा वर्णित है ?

(vi) 'कादम्बरी' में महाश्वेता कौन है ?

(vii) 'विक्रमांकदेवचरितम्' में प्रमुख रस कौनसा है ?

(viii) 'विक्रमांकदेवचरितम्' के रचयिता कौन हैं ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तथा समक्षं दहता मनोभवं, पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती, प्रियेषु सौभाग्यफलाहि चारुता॥

अथवा

दिवं यदि प्रार्थयसे वृथाश्रमः, पितुः प्रदेशास्तव देवभूमयः

अथोपयन्तारमलं समाधिना, न रत्नमन्विष्यति मृग्यतेहि तत्॥

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

यथाश्रुतं वेदविदांवर त्वया, जनोऽयमुच्चैः पदलङ्घनोत्सुकः।

तपः किलेदं तदवाप्तिसाधनं, मनोरथानामगतिर्न विद्यते॥

अथवा

अद्यप्रभृत्यवनताङ्गितवास्मि दासः

क्रीतस्तपोभिरिति वादिनी चन्द्रमौलौ।

अह्नाय सा नियमजं क्लममुत्ससर्ज,

क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते॥

4. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

अकाण्डः ब्रह्माण्ड क्षयचकितदेवासुरकृपा।

विधेयस्याऽसीद्यस्त्रिनयन विषं संह तवतः॥

स कल्माषः काण्ठे तव न कुरुते न श्रियमहो।

विकारोऽपिश्लाघ्यो भुवनभयभगं व्यसनि नः॥

अथवा

इरिस्ते साहस्रं कमलबलिमाधाय पदयो-

र्यदेकोने तस्मिन्निजमुदहरन्नेत्रकमलम्।

गतो भक्त्युद्रेकः परिणतिमसौ चक्रवपुषा

त्रयाणां रक्षायै त्रिपुरहर जागर्ति जगताम्॥

5. 'शिशुपालवधम्' के द्वितीय सर्ग के आधार पर महाकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

6. 'कादम्बरी' के अनुसार विन्ध्याटवी वर्णन को प्रस्तुत कीजिए।

7. 'कादम्बरी' के अनुसार जाबालिआश्रम वर्णन प्रस्तुत कीजिए।